

सुहागरात भी तुम्हारे साथ मनाऊँगी-3

“ जानू जाओ न प्लीज ! अलग सा चेहरा बनाकर बोली । मुझे उसका चेहरा देखकर हँसी आ गई, मैं बोला- रोओ मत ! जा रहा हूँ ! मैं कहाँ रो रही हूँ ? ठीक है, चलो चलते हैं ! मैंने उसे चूमा और बाय कहकर चला आया । सुबह तैयार होकर स्कूल के लिए निकला । लक्ष्मी मेरा इन्तज़ार [...] ... ”

Story By: (sexyboy2361)

Posted: शुक्रवार, फ़रवरी 18th, 2011

Categories: [हिंदी सेक्स कहानियाँ](#)

Online version: [सुहागरात भी तुम्हारे साथ मनाऊँगी-3](#)

सुहागरात भी तुम्हारे साथ मनाऊँगी-3

जानू जाओ न प्लीज ! अलग सा चेहरा बनाकर बोली ।

मुझे उसका चेहरा देखकर हँसी आ गई, मैं बोला- रोओ मत ! जा रहा हूँ !

मैं कहाँ रो रही हूँ ?

ठीक है, चलो चलते हैं !

मैंने उसे चूमा और बाय कहकर चला आया ।

सुबह तैयार होकर स्कूल के लिए निकला । लक्ष्मी मेरा इन्तज़ार कर रही थी । वो भी साथ चलने लगी । बोली- जानू, लव यू !

लव यू टू !

फिर हम बातें करते रहे ।

बातों ही बातों में उसने कहा- अगर तुम कल मेरे साथ सेक्स करते तो मैं तुमसे कभी बात नहीं करती ।

हम जब भी मौका मिलता, आपस में मिलते और घण्टों तक एक दूसरे से लिपटे बातें करते रहते ।

मैं बस उसे चूमता और चूचियाँ ही दबाता था ।



ऐसे ही एक साल निकल गया। मेरे इम्तिहान हो गये।

बोर्ड परीक्षा में मैं प्रथम आया। इसलिए मुझे बाईक और मोबाईल मिल गया।

मैंने सबसे पहले अपना नम्बर उसे ही दिया।

फिर मैं कालेज में आ गया। कई बार उसे घूमने भी ले गया।

यों ही दिन गुजरते गये। मैं बहुत खुश था। एक दिन लक्ष्मी का फोन आया, बोली- मुझे तुमसे बात करनी है !

मैं बोला- बोलो !

नहीं फोन पर नहीं !

तो ?

तुम रात को 10.30 बजे आ जाना।

मैंने कहा- इतनी देर से क्यों ?

हम ज्यादातर 7-8 बजे मिलते थे।

वो बोली- बस तुम्हें आना है।

मुझे बेचैनी सी हो रही थी, इसलिए मैं 10 बजे ही खेत पर उस बैरनी के पेड के नीचे जा बैठा।

मैं घरवालों से अलग सोता था इसलिए रात को निकलने में कोई परेशानी नहीं होती थी।



सर्दियों के दिन थे, मैंने जीन्स की पैन्ट, शर्ट और जैकेट पहन रखे थे, फिर भी ठण्ड महसूस हो रही थी।

मैं वहाँ बैठा उसका इन्तजार कर रहा था। एक एक पल मुझ पर भारी पड़ रहा था।

चाँदनी रात थी पर थोड़ी धुन्ध होने के कारण उसका घर दिखाई नहीं दे रहा था।

बीच में मैं उसके घर तक घूम आया था। सब लोग शायद सो चुके थे।

लगभग 11 बजे लक्ष्मी आ गई। उसे देखकर मैंने चैन की साँस ली।

उसने काले रंग का कमीज़-सलवार और ऊपर शॉल ओढ़ रखी थी।

मैं उसे देखकर मुस्कराया, वो भी मुस्कराई और लव यू जान !

कहकर मेरे आगे पीठ करके बैठ गई।

वो उदास लग रही थी।

मैंने कहा- हाँ बोलो जान ! क्या बात है ?

वो बोली- कुछ नहीं ! मिलने का मन कर रहा था।

मैंने कहा- इतनी रात को ?

कोई बात तो है ! मैंने कहा। नहीं कुछ नहीं है !

मैंने कहा- ठीक है, नाराज क्यों होती हो ?

मैं बोला- मुझे ठण्ड लग रही है !

उसने अपनी शॉल मुझे दे दी ।

मैं खेत की मेढ़ पर बैठा था, वो मेरे आगे पीठ करके नीचे बैठी थी ।

मैंने शॉल अपने और उसके ऊपर डाल ली ।

वो चुप बैठी थी मैं पीछे से बगल में हाथ डालकर उसकी चूचियों को पकड़ कर दबाने लगा और गर्दन पर चूमने लगा ।

वो चुप थी !

मैं बोला- बोलो न जानू, क्या बात है ? तुम उदास क्यों हो ?

वो बोली- घर वालों से झगडा हो गया आज ।

बस इतनी बात पर नाराज हो ?

हाँ !

वो जिद्दी थी, मैंने सोचा किसी जिद के कारण झगडा हो गया होगा ।

मैं बोला- घर वालों की बात का बुरा नहीं मानते !

उसके मुँह को अपनी ओर किया और मैं होंठों पर चूमने लगा ।

वो बोली- जानू, यहाँ ठण्ड लग रही है, कहीं और चलते हैं ।

मैंने कहा- ठीक है !

हम खड़े हुए और ट्यूबवैल के कमरे के पास आ गये। चाबी मैं साथ लाया था।

वहाँ जाकर देखा तो पहले ही कोई सोया था मैं लक्ष्मी को एक तरफ़ करके अन्दर गया और धीरे से रजाई उठाई।

मेरे ताऊ का लडका था, उसे हमारे बारे में पता था।

मैंने उसे जगाया।

वो बोला- तुम यहाँ ?

मैंने लक्ष्मी को अन्दर बुलाया। वो देखकर समझ गया और बिना कुछ बोले उठ कर चला गया।

मैंने अन्दर से दरवाज़ा बन्द किया और रजाई में लेट गया।

लक्ष्मी ने शॉल हटाई तो मैं उसे देखता ही रह गया। गोरे बदन पर काला सूट।

क्या देख रहे हो ?

तुम्हें !

क्यों, पहले कभी नहीं देखा ?

देखा है ! पर आज तो तुम बहुत सेक्सी लग रही हो।

अच्छा ? तुम्हें आज दिखाती हूँ कि मैं कितनी सेक्सी हूँ।

हम हर तरह की बात करते थे इसलिए अब शर्म का नाम नहीं था।



वो मेरे बगल में आकर लेट गई ।

मैं बोला- बताओ, कितनी सेक्सी हो ?

वो बोली- पहले यह बताओ कि मुझसे शादी करोगे ?

यह सुनकर मैं चुप हो गया । शादी तो मैं उससे कर लेता पर यह हो नहीं सकता था । यह बात वो भी जानती थी ।

फिर बोली- चलो छोड़ो ! मैंने तो तुम्हें अपना पति मान ही रखा है ।

और मेरे होटों को चूम लिया, बोली- राज, आज तुम कुछ भी कर सकते हो ! मैं तैयार हूँ ।

मैं उसके मुँह की तरफ देखने लगा ।

वो बोली- क्या तुम मुझे अपनी नहीं मानते ?

मानता हूँ । पर अचानक तुम्हें क्या हुआ ?

मुझे कुछ नहीं हुआ ! अब पने पर काबू नहीं होता ! बस ! और एक दिन तो यह सब करना ही है तो फिर देर क्यों ?

वो उदास थी पर मुझे दिखाने के लिए वो हँस रही थी ।

मैं बोला- तो तुम ही दिखाओ कि कितनी सेक्सी हो ।

वो बोली- ठीक है !

और मेरे होटो को फिर चूमने लगी ।

मैं भी उसका साथ दे रहा था, मेरा एक हाथ उसकी चूचियों को दबा रहा था और दूसरा उसकी कमर के नीचे था।

मेरा एक पैर उसके पैरों के बीच में था जिससे मेरा लण्ड उसकी चूत पर लगा हुआ था।

वो लगातार चूम रही थी।

मैं अपना हाथ उसकी कमीज़ में डाल कर ब्रा के ऊपर से चूचियों को मसलने लगा।

उसने मुँह अलग किया, बोली- धीरे-धीरे दबाओ ! दर्द होता है !

मैं बोला- कहते हैं कि दर्द में ही मजा है।

हम हँसने लगे।

चूची के अगले भाग को पकड़ कर मसल दिया तो वो सिसिया उठी- आ अ !

मैंने उसके होटों पर होंट रख दिये और बारी बारी से दोनों चूचियों को मसलने लगा।

फिर अपना हाथ उसकी चूत पर ले गया और रगड़ने लगा। वो पूरी गर्म हो गई।

मैंने रजाई हटाकर उसे बिठा लिया और उसकी कमीज़ उतारने लगा।

उसने रोका- मुझे शर्म आएगी !

मैंने कहा- पति से कैसी शर्म ?

और कमीज़ उतार दिया।

काले रंग की ब्रा में गोरी चूचियों को देखकर मैं पागल हो गया और जल्दी से उसकी ब्रा भी अलग कर दी।

एकदम खड़ी थी उसकी चूचियाँ और मेरे रगड़ने से लाल हो गई थी।

उसने अपना मुँह ढक लिया। मैंने एक चूची को दबाया और दूसरी को मुँह में लेकर चूसने लगा तो वो पागल सी हो गई, उसके मुँह से सिसकारियाँ निकल रही थी। मैंने बारी बारी से दोनों चूचियों को चूसा। आज बड़ा जोश आ रहा है ?

मैं बोला- तुमने इतने दिन जो तड़पाया है !

अच्छा तो बदला ले रहे हो ?

हाँ !

और उसकी सलवार का नाड़ा खोलने लगा।

अगले भाग में समाप्त !

1631

Other stories you may be interested in

सविता भाभी का पति घर में अकेला बेचारा क्या करे !

दोस्तो.. आज हम सब की प्यारी सविता भाभी की चुदाई की वो अनजानी कहानी पेश है.. जिसके बारे में कभी मालूम नहीं चल सका था। हुआ यूं कि एक बार सविता भाभी के पति अशोक जब सुबह उठे तो उनका [...]

[Full Story >>>](#)

ऑफिस की दो सहेलियाँ और एक चोदू यार-3

आपने अब तक पढ़ा.. सरला भाभी मेरे तगड़े लंड से एक बार चुद चुकी थीं। हालांकि भाभी की चूत की प्यास अभी खत्म नहीं हुई थी। अब आगे.. 'वाह भाभी.. क्या मस्त गदराई.. चुदासी चिकनी-चिकनी गोरी-गोरी जवानी है। जिस तरह [...]

[Full Story >>>](#)

बुआ की सेक्सी किरायेदार की चूत मिल गई चोदने को

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम अमित है, मेरी यह कहानी पिछले साल की है.. जब मैं पढ़ने के लिए अपनी दूर की बुआ के घर रहने गया था। बुआ का घर बहुत बड़ा था और उनके घर पर कई कमरे किराए [...]

[Full Story >>>](#)

सालियों ने किया जीजा का बलात्कार-1

दोस्तो, आपको मेरी पिछली कहानी पतियों की अदला बदली और सहेलियों की सेक्स भरी मस्ती पसंद आई और इसके लिए आपके मिले मेल्स के लिए धन्यवाद ! आज की मेरी कहानी दो बहनों रीमा और रिकी की कहानी है जिन्होंने अपनी [...]

[Full Story >>>](#)

डॉक्टर साक्षी नहीं सेक्सी डॉक्टर

दोस्तो, माफ़ी चाहता हूँ कि इस बार मैंने कहानी लिखने में वक़्त ज्यादा लगा दिया लेकिन यकीन करना बड़ी मेहनत और शब्दों को कामरस की कलम और स्याही में डुबो कर लिखा है। कहानी खुद ही पढ़ कर आनन्द लीजिए [...]

[Full Story >>>](#)



Other sites in IPE

Indian Sex Stories



The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories. Go and check it out. We have a story for everyone.

Suck Sex



Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Sex Chat Stories



Daily updated audio sex stories.

FSI Blog



Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

Urdu Sex Stories



Daily updated Pakistani Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Indian Gay Site



#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.